सीमैट में दाखिले के लिए सितंबर में ली जाएगी परीक्षा पेज 5

मानचित्र सेवा व्हाट3वर्ड्स करेगी

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गुरुवार, 04 जुलाई 2013, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण

www.livehindustan.com

वर्ष 78, अंक 158, 18 पेज+4 पेज

गल कर हवा हो जाएगी नई तकनीक से बनी पॉलिथीन

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

दिल्ली में पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगने के कारण लगभग 400 फैक्टरियों के 40 हजार कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की वजह से प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन विशेष प्रकार से तैयार पॉलीथिन इसके विकल्प के रूप में सामने आई है। लगभग उसी लागत व उसी व्यवस्था के साथ इस पॉलीथिन का निर्माण प्रभावित फैक्ट्रियों में हो सकता है।

विशेष प्रकार की पॉलीथिन सूर्य की रोशनी, मिट्टी, ताप के दबाव आदि के प्रभाव से गल जाएगी और उसमें मिला पॉलीथिन क़ा तत्व गैस बन कर हवा में उड़ जाएगा। अमेरिकी कंपनी जीएक्सटी ग्रीन ने इस पॉलीथिन को विशेष तकनीक से तैयार किया है। इसे प्राकृतिक तेल, कैल्सियम कॉर्बोनेट जैसे प्राकृतिक तत्वों और बेहतर गुणवत्ता वाली प्लास्टिक को मिला कर बनाया गया है।

पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रही व इस उत्पाद को भारतीय बाजार में लाने का प्रयास कर रही गैर सरकारी संस्था स्केल के महासचिव अरुण सिन्हा ने बताया कि यह उत्पाद भारतीयों की जरूरतों को देखते हुए बेहद उपयोगी है। दिल्ली जैसे शहर में प्रतिबंध के बावजूद रोज लगभग 9000 टन प्लास्टिक की खपत हो रही है। ऐसे में लगभग उसी कीमत पर यह उत्पाद आने से प्रतिबंधित पालीथिन पर लगाम लगेगी। जो फैक्ट्रियां चोरी से पॉलीथिन बैग बना रही हैं वे मानकों के अनुरूप होने के कारण इसे आसानी से प्रयोग कर सकेंगी। देश में सीपेट ने भी इस उत्पाद को पर्यावरण के अनुकूल माना है। इन पॉलीथिन को जलाने पर काला धुआं नहीं निकलता और पूरी तरह से जल जाने पर सिर्फ राख बचती है। जल्द ही दिल्ली सरकार के साथ मिलकर इस पॉलीथिन को प्रोत्साहित करने की मांग की जाएगी।

दूर होगी चिंता

- सूरज की रोशनी, तापमान और मिट्टी के दबाव से यह पूरी तरह गल जाएगी
- दिल्ली में प्रतिबंध से प्रभावित हैं 400 फैक्टरी और 40 हजार कर्मचारी

इसे री-साइकिल करने में खर्च भी बेहद कम आता है। इसलिए ऐसे उत्पाद को प्रोत्साहित करना चाहिए। दिल्ली में इसके उत्पादन के लिए बवाना में एक कंपनी के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है।

अरुण सिन्हा, महासचिव, स्केल